5 अप्रैल 2026
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

डुमरांव में सफाई व्यवस्था चरमराई : अवैध डंपिंग से शहर हुआ बेहाल, जिम्मेदार मौन
2

एक नजर

असम में यूसीसी से बाहर रहेंगे आदिवासी : सीएम हिमंत बिस्वा

नई दिल्ली। असम में लागू किए जा रहे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विश्वास व्यक्त किया और आदिवासी समुदायों की स्थिति स्पष्ट की।सीएम सरमा ने कहा, 'आदिवासियों को यूसीसी से अलग रखा जाएगा।' उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बुधवार को गोगमुख में हुई जनसभा के बाद आई है, जहां पीएम ने असम में समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया और आदिवासी परंपराओं, छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की रक्षा और असम की पहचान को संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, 'हमारी बेटियों के साथ कोई धोखा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गई हैं ताकि उनकी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।'

नासिक में बड़ा हादसा, कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

नासिक । महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुएं में जा गिरी, जिसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है; इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है। परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। जो रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुएं में गिर पड़ी। पानी भरा होने के कारण बचाव कार्य और भी चुनौतीपूर्ण हो गया।

होर्मुज से निकले 8 भारतीय जहाज, चीन के 70 टैंकर अब भी फंसे

- होर्मुज से आठ भारतीय जहाज सुरक्षित बाहर निकले
- एलपीजी और कच्चे तेल की आपूर्ति में सुधार हुआ
- ईरान की मदद से भारत ने सफलता पाई

होर्मुज से निकले भारतीय जहाज

पश्चिम एशिया विवाद शुरू होने के बाद से एलपीजी संकट के मुहाने पर खड़े भारत के लिए इन जहाजों का आना किसी वरदान से कम नहीं है। इनकी वजह से एलपीजी आपूर्ति को सुधारने में मदद मिली है, खास तौर पर वाणिज्यिक क्षेत्र को ज्यादा एलपीजी की आपूर्ति संभव हुई है। हालांकि एलपीजी आपूर्ति की स्थिति सामान्य से काफी दूर है।

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान युद्ध के बीच 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से कम से कम आठ भारतीय जहाज सुरक्षित निकल चुके हैं। सात पहले निकल चुके थे और शनिवार को ग्रीन सान्वी नाम के एक और जहाज के होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकलने की सूचना है। विभिन्न एजेंसियों के मुताबिक, होर्मुज में अभी कई देशों के तीन सौ के करीब जहाज (ज्यादातर पेट्रोलियम ढुलाई वाले) फंसे हैं। सबसे ज्यादा जहाज चीन (तकरीबन 60-70) के हैं। लेकिन ईरान की मदद से सबसे ज्यादा भारतीय जहाज ही होर्मुज से बाहर निकल पाए हैं। सरकार की तरफ से पिछले दस दिनों में शिवालिक, नंदा देवीस पाइन गैस, जग वसंत,बीडब्लू टायर, बीडब्लू एल्म, जग लाडकी और अब ग्रीन सान्वी के होर्मुज से निकलने की सूचना दी गई है। इसमें जग लाडकी के अलावा अन्य सात एलपीजी से भरे हुए थे। शिवालिक व नंदा देवी में कुल 92,712 टन एलपीजी था। पाइन गैस व जग वसंत में 92,612 टन और टायर व एल्म से कुल 94,000 टन एलपीजी की आपूर्ति हुई। जग लाडकी में 80,886 टन क्रूड ऑयल भी मुंद्रा पोर्ट पहुंच गया है। ये सप्लाई मुंद्रा, कांडला, मुंबई और न्यू मंगलौर जैसे बंदरगाहों पर पहुंची। कुल मिलाकर इन जहाजों से भारत को लगभग 2.79 लाख टन से ज्यादा एलपीजी मिला, जो देश की दैनिक खपत (लगभग 1 लाख टन) के हिसाब से 2-3 दिन की पूरी जरूरत को पूरा करने जितना है। अभी देश की रिफाइनरियों ने घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ा दिया है, उसे देखते हुए होर्मुज से आने वाले एलपीजी टैंकरों की भूमिका घरेलू आपूर्ति को बेहतर बनाने में ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

मुसलमानों पर थोपा जा रहा हिंदू कानून : असदुद्दीन

एजेंसी। अहमदाबाद

देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर चल रही बहस के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि यूसीसी के बहाने सरकार मुसलमानों पर हिंदू उत्तराधिकार कानून थोपने की कोशिश कर रही है, जो संविधान के खिलाफ है। हैदराबाद के सांसद ने कहा कि भारतीय संविधान देश के हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने की पूरी आजादी देता है। लेकिन यूसीसी के जरिए मुसलमानों के पर्सनल लॉ को खत्म कर उन पर दूसरे धर्म के कायदे-कानून लादे जा रहे हैं। ओवैसी ने यूसीसी के ड्राफ्ट को लेकर कहा कि शादी, तलाक और विरासत को लेकर इस्लाम में अपने अलग नियम हैं। लेकिन सरकार जो यूसीसी ला रही है, उसमें तलाक के लिए व्यभिचार का सबूत मांगना, अदालती दखल और विशेष परिस्थितियां जैसी चीजें शामिल की गई हैं। ये सभी हिंदू धर्म और उनके कानूनों का हिस्सा हैं।

राज्य में डबल इंजन की सरकार से सभी रुकावटें दूर होगीं

कांग्रेस चाहती है खाड़ी देश भारत को दुश्मन समझें : पीएम मोदी

- कांग्रेस गल्फ कंट्रीज को गाली देने के का काम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरलम के थिरुवल्ला में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन समझें। हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें, कोई ऐसा बयान दे दें जिससे खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों को वहां से बाहर निकलने में मुसीबत आ जाए, इसलिए कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है।मोदी ने कहा- इस बार के चुनाव में केरलम में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार जाएगी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार आएगी। मैं पहले भी केरलम आया हूं, लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ अलग है। केरल एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। इस बार सत्ता परिवर्तन होगा।पीएम मोदी ने कहा- इस चुनाव में केरलम को कुछ फायदा होने की संभावना है। लेकिन मेरे लिए पर्सनली, बहुत बड़ा नुकसान होगा। आप सोच रहे होंगे कि जब मोदी को नुकसान हो रहा है तो केरलम को कैसे फायदा हो सकता है? मतल अनूप, जो यहां चुनाव लड़ रहे हैं, पिछले पांच सालों से मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने पूरे देश में घूमकर जानकारी और जानकारी इकट्ठा की है। एक तरह से, वह मेरे पक्के साथी रहे हैं और काम के लिए मेरे दाहिने हाथ की तरह बन गए हैं।पीएम ने कहा कि कांग्रेस गल्फ कंट्रीज को गाली देने के का काम कर रही है, जिसे वे देश नाराज हो जाएं और वहां मौजूद भारतीयों को परेशानी है।केरलम में युवाओं का पलायन सबसे बड़ी चिंता है। यहां रोजगार के लिए इंडस्ट्री लगाने की जरूरत है। यहां सर्विस सेक्टर बने, स्टार्टअप को जगह मिले, सही वेल्यू मिले। लेकिन यहां सबसे बड़ी दीवार करप्शन और

राज्यसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण होगा

पीएम बोले 33 फीसदी महिलाएं चुन कर आएंगी। लोकसभा-राज्यसभा में 33 फीसदी महिला आरक्षण होगा।3 दिन के लिए 16-18 अप्रैल को बजट सत्र का सेशन होगा। जो कानून हमने पारित किया है। 2029 में लोकसभा के चुनाव से 33 फीसदी महिला आरक्षण का लाभ मिलना शुरू होगा। इसका फासदा हमारे दक्षिण भारत के राज्यों को मिले। हमने सभी विपक्षी दलों को मीटिंग में बुलाया है। मैं सभी राजनैतिक दलों से कहता हूं कि संसद में आए इस बिल को पारित करें। महिला आरक्षण से जुड़ा संशोधन बिल सर्वसम्मति पास होग। नारी शक्ति के हित से जुड़ा काम है।पीएम मोदी ने कहा कि हमारे केरल को भगवान ने बहुत सारी संभावनाएं और संसाधन दिए हैं। यहां समुद्र में ब्लू इकॉनमी में मौके हैं, और टूरिज्म के क्षेत्र में बहुत सारी संभावनाएं हैं, फिर भी केरल विकास की दौड़ में दूसरे राज्यों से पीछे है।

वायुसेना की बढ़ेगी ताकत : भारत में बनेंगे 1000 किलो के गोला-बारूद

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में भारत ने एक और बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 1,000 किलोग्राम वजन वाले स्वदेशी हवाई बमों के डिजाइन और विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये बम 'एमके-84' श्रेणी के बमों के समान होंगे, जो अपनी विनाशकारी क्षमता के लिए जाने जाते हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य विदेशी निर्भरता को खत्म करना और देश में ही उच्च क्षमता वाले गोला-बारूद का निर्माण करना है। वर्तमान में, वायुसेना इस श्रेणी के बमों को विदेशी निमार्ताओं से खरीदती है। इन बमों की सबसे बड़ी खासियत इनकी बहुमुखी क्षमता होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ये 1,000 किलो के बम वायुसेना द्वारा संचालित रूसी और पश्चिमी दोनों मूल के लड़ाकू विमानों में फिट किए जा सकेंगे। यह तकनीक वायुसेना को युद्ध की स्थिति में जबरदस्त लचीलापन प्रदान करेगी। यह परियोजना 'मेक-टू' (उद्योग-वित्त पोषित) श्रेणी के तहत संचालित की जाएगी, जिसके बाद 'बाय (इंडियन आइडीडीएम)' श्रेणी के तहत इसकी खरीद होगी। आइडीडीएम का मतलब है स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित। योजना के मुताबिक, कुल 600 हवाई बमों की खरीद की जानी है। ये बम 'हाई-कैलिबर म्यूनिशन' होंगे, जो दुश्मन के ठिकानों पर भीषण विस्फोट कर उन्हें नेस्तनाबूद करने में सक्षम होंगे।ति पास होग। नारी शक्ति के हित से जुड़ा काम है।

युद्ध प्रभावित क्षेत्रों को 2.5 लाख करोड़ तक की कर्ज गारंटी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों को राहत देने के लिए नई कर्ज गारंटी योजना लाने की तैयारी कर रही है। इस योजना का मकसद खासतौर पर उन कंपनियों को आसानी से कर्ज उपलब्ध कराना है, जो आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के साथ कच्चे माल और लॉजिस्टिक खर्च की बढ़ती लागत से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नई योजना के तहत सरकार दो से 2.5 लाख करोड़ रुपये तक की कर्ज गारंटी दे सकती है। यह कोविड महामारी के दौरान शुरू की गई आपातकालीन कर्ज गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के मॉडल पर आधारित होगी। वित्तीय सेवा विभाग इस योजना पर काम रहा है। माना जा रहा है कि सरकार अगले 15 दिनों के भीतर इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इस राहत पैकेज का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट की वजह से जो क्षेत्र चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उन्हें नकदी की कमी न हो और वे अपना कारोबार चालू रख सकें। योजना के तहत उन कंपनियों को सरकार की गारंटी पर कर्ज मिलेगा। सूत्रों ने कहा, इस योजना का मकसद कंपनियों को भरोसा देना है, ताकि वे अनिश्चित माहौल में भी काम जारी रख सकें। हालात अभी ज्यादा खराब नहीं हैं, लेकिन सरकार पहले से तैयारी कर रही है, ताकि अर्थव्यवस्था पर अधिक दबाव न पड़े।

यादव मोड़ का बदलेगा चेहरा : विकास चौक के रूप में होगा नया विस्तार

- **विशाल तिरंगा, मिनी पार्क और फव्वारे से सजेगा तिराहा, सर्वे के बाद जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य**

केटी न्यूज/चौसा

चौसा क्षेत्र के प्रमुख यातायात केंद्र यादव मोड़ तिराहे का स्वरूप जल्द ही पूरी तरह बदलने जा रहा है। कैमूर और रोहतास जिलों को जोड़ने के साथ-साथ यूपी-बिहार सीमा क्षेत्र में स्थित यह महत्वपूर्ण स्थल अब ह्यविकास चौकह्ण के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार की पहल पर तैयार की गई इस योजना के तहत तिराहे को आकर्षक और व्यवस्थित स्वरूप देने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रस्तावित योजना के अनुसार यहां एक विशाल तिरंगा झंडा स्थापित किया जाएगा, जो न केवल क्षेत्र की पहचान बनेगा बल्कि लोगों में देशभक्ति की भावना भी जागृत करेगा। इसके साथ ही एक सुंदर मिनी पार्क और आकर्षक फव्वारे का निर्माण किया जाएगा, जिससे यह स्थान आम लोगों के लिए एक बेहतर सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा। स्थानीय लोगों को यहां बैठने, घूमने और समय बिताने की सुविधा मिलेगी, जिससे क्षेत्र की सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

विकास कार्यों को लेकर हाल ही में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया। पीडब्लूडी के कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग की सहायक अभियंता वंदना कुमारी और अन्य तकनीकी अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन की उपलब्धता, यातायात व्यवस्था और निर्माण की संभावनाओं का गहन आकलन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परियोजना को सुचारु रूप से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज कुमार यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि ह्यविकास चौकह्ण बनने से चौसा को एक नई पहचान मिलेगी और यह स्थान क्षेत्र के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि योजना को जल्द अंतिम रूप देकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा, ताकि लोगों को इसका लाभ शीघ्र मिल सके।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने नगरों के प्रमुख चौक-चौराहों को ह्यविकास चौकह्ण के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इसी क्रम में यादव मोड़ को चयनित किया गया है। फिलहाल सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है और जल्द ही अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद निर्माण कार्य को गति दी जाएगी।

डुमरांव में सफाई व्यवस्था चरमराई : अवैध डंपिंग से शहर हुआ बेहाल, जिम्मेदार मौन

- **हर महीने 90 लाख खर्च के बावजूद कूड़े का अंबार, नहर से किले तक गंदगी का साम्राज्य**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। शहर कूड़ा प्रबंधन की बदहाल स्थिति का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। सफाई के नाम पर नगर परिषद द्वारा नियुक्त एजेंसी पर गंभीर आरोप लग रहे हैं कि वह निर्धारित स्थानों के बजाय खुलेआम अवैध जगहों पर कूड़ा डंप कर रही है, जिससे आम लोगों का जीवन दूभर हो गया है।

स्थिति यह है कि महरौरा मोड़ से लेकर सफखाना रोड नहर तक नहर किनारे ही कूड़े का अंबार लगा दिया गया है। इससे न केवल नहर की प्राकृतिक संरचना प्रभावित हो रही है, बल्कि आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों को बदबू, मच्छरों और बीमारियों के खतरे का सामना करना पड़ रहा है।

यही हाल नया और पुराना भोजपुर क्षेत्र का भी है, जहां ऐतिहासिक नवरत्नगढ़ किले के समीप धर्मावती नदी के तट पर खुलेआम कूड़ा डंप किया जा रहा है। यह न सिर्फ पर्यावरण के लिए खतरनाक है, बल्कि ऐतिहासिक धरोहर की गरिमा को भी ठेस पहुंचा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि किले के आसपास रहना अब मुश्किल हो गया है।

सबसे हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले पर जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी से लेकर अन्य उच्च अधिकारी तक इस अवैध डंपिंग को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के स्पष्ट निर्देश हैं कि कूड़ा प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से किया जाए और अवैध डंपिंग पर रोक लगाई जाए।

सूत्रों के अनुसार, नगर परिषद द्वारा सफाई एजेंसी को हर महीने करीब 90 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। आरोप है कि इस राशि का एक हिस्सा अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और पार्षदों को संतुष्ट करने में खर्च होता है, जिससे एजेंसी पर कार्रवाई नहीं हो पाती। यही वजह है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हो रहा।

नगर निकाय चुनाव से पहले चेयरमैन और उप चेयरमैन ने शहर में लैंडफिल साइट के चयन और अवैध डंपिंग रोकने का वादा किया था। हालांकि, अब तक न तो लैंडफिल साइट का निर्माण हो पाया है और न ही डंपिंग पर रोक लगाई जा सकी है। वर्तमान कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर भी इस मुद्दे पर कोई ठोस पहल करते नजर नहीं आ रहे हैं।

नगर परिषद की बोर्ड बैठकों में यह मुद्दा बार-बार उठता है, लेकिन बैठकों के बाद फाइलें ठंडे बस्ते में चली जाती हैं। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है—कभी कूड़े के ढेर पर मिट्टी डाल दी जाती है, तो कभी कुछ दिनों के लिए डंपिंग रोक दी जाती है।

गौरतलब है कि 7 दिसंबर 2024 को तत्कालीन जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने इस मामले की समीक्षा करते हुए नगर परिषद अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई थी और लैंडफिल साइट चयन में देरी पर सवाल उठाए थे। इसके बावजूद डेढ़ साल बाद भी स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है।

डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह ने भी इस मुद्दे को उठाते हुए सफाई एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की है। वहीं, एनएसयूआई के छात्र नेता रंजन कुमार ने चेतावनी दी है कि यदि नवरत्नगढ़ किले के पास डंपिंग नहीं रोकी गई, तो आंदोलन किया जाएगा।

फिलहाल, डुमरांव की जनता गंदगी के बीच जीवन जीने को मजबूर है। सवाल यह है कि आखिर शहर को साफ करने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा—जनप्रतिनिधि, प्रशासन या फिर वही जनता जो इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस बार भी सिर्फ औपचारिक कार्रवाई करेगा या वास्तव में सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

एक नजर

जहरीली शराब की त्रासदी के बाद भी नहीं थमा अवैध कारोबार, पुलिस की छापेमारी में एक गिरफ्तार

डुमरांव। मुरार थाना क्षेत्र के अमसारी गांव की अनुसूचित बस्ती एक बार फिर अवैध शराब के कारोबार को लेकर सुर्खियों में है। शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद यहां देसी शराब का निर्माण और बिक्री थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे इलाके में चिंता का माहौल बना हुआ है। शनिवार की सुबह पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई। इस दौरान 15 लीटर देसी शराब बरामद की गई और मौके से धंधेबाज राकेश मुसहर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ शराबबंदी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई जारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन कुछ लोग अब भी चोरी-छिपे इस धंधे में लिप्त हैं। गौरतलब है कि इसी गांव में करीब चार वर्ष पूर्व जहरीली शराब पीने से आधा दर्जन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था, बावजूद इसके आज भी हालात पूरी तरह नहीं बदले हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की छापेमारी के बावजूद अवैध शराब का नेटवर्क पूरी तरह खत्म नहीं हो पाया है। स्थिति यह दशार्ती है कि केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि सतत निगरानी और सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी को रोका जा सके।

महिला पर जानलेवा हमले के आरोपित सगे भाई गिरफ्तार, अन्य की तलाश तेज

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के नथुनी के बाग मोहल्ले से एक महिला पर जानलेवा हमला करने के आरोपित सगे भाईयों संजय यादव व मंजय यादव दोनों पिता स्व. शिवव्रत यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इस संबंध में बताया कि नथुनी के बाग निवासी जौहर खातून नामक महिला पर शुक्रवार को संजय तथा मंजय के अलावे उनके ही परिवार के कुल छह लोगों ने जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस मामले में पीड़िता ने सभी के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

बक्सर स्टेशन का रेल डीएसपी ने किया औचक निरीक्षण, मचा हड़कंप

बक्सर। रेल डीएसपी कंचन राज ने शनिवार को बक्सर रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया। यूपीझबिहार सीमा पर स्थित इस संवेदनशील स्टेशन की सुरक्षा को लेकर उन्होंने कई अहम निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म, स्टेशन परिसर, सीसीटीवी कंट्रोल रूम और जीआरपी थाना समेत सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई। डीएसपी ने प्लेटफॉर्म संख्या 1 से निरीक्षण की शुरूआत करते हुए यात्रियों से सीधे संवाद किया और सुरक्षा, सफाई व गश्ती व्यवस्था पर फीडबैक लिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्लेटफॉर्म 1, 2 और 3 पर गश्ती, भीड़ नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए।

भागलपुर में ट्रक-टिपर भिड़ंत के बाद आग का तांडव, नावानगर के युवक की दर्दनाक मौत

केटी न्यूज। नावानगर

भागलपुर जिले के खरीक थाना क्षेत्र में शुक्रवार की अहले सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में बक्सर जिले के एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के सेवई टोला निवासी सिद्धनाथ सिंह के 30 वर्षीय पुत्र राजू सिंह उर्फ रजनी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार राजू सिंह स्वयं चालक सह वाहन मालिक थे और अपनी अशोक लेलैंड छह चक्का ट्रक लेकर भागलपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी नवगछिया के खरीक थाना क्षेत्र में हाईवे पर पहुंची, सामने से आ रही एक टिपर (टेलर) लोडेड वाहन से जोरदार आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इस हादसे में राजू सिंह वाहन में ही फंस गए और आग की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई। बताया जाता है कि ट्रक पर साइकिल समेत अन्य सामान लदा हुआ था। इधर, जैसे ही घटना की खबर सेवई टोला गांव पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि राजू मेहनती और जिम्मेदार युवक थे, जिनकी असामयिक मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

तियरा में बाल विद्या निकेतन का वार्षिकोत्सव : प्रतिभाओं को मिला सम्मान, बेटियों की प्रस्तुति ने जीता दिल

- **नवोदय चयनित छात्रों को किया गया सम्मानित, शिक्षा और समानता का दिया संदेश**

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के तियरा गांव स्थित आवासीय बाल विद्या निकेतन स्कूल में 11वां वार्षिक समारोह बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री सह विधायक संतोष कुमार निराला एवं समाजसेवी सत्येंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार रंजन ने की, जबकि संचालन शिक्षक विनय सर एवं अमित सर ने किया। कार्यक्रम के दौरान नवोदय विद्यालय में चयनित करीब 20 मेधावी छात्रों—पिंटू, मुन्ना, प्रिंस, निखिल, आदित्य, रविशंकर, मनीष, पवन, विशाल और आयुष सहित अन्य विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके अभिभावकों को भी सम्मानित कर बच्चों की सफलता में उनके योगदान को सराहा गया। मुख्य अतिथि संतोष कुमार निराला ने अपने संबोधन में कहा कि आज के बदलते दौर में शिक्षा सबसे बड़ी ताकत है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी अब शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं और अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने बेटा-बेटी में भेदभाव समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर रही हैं और समाज का नाम रोशन कर रही हैं। इस मौके पर विद्यालय की छात्राओं ने ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व विषय पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को भावुक कर दिया और समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। समाजसेवी सत्येंद्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें सही दिशा और अवसर देने की। विद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में जदयू अध्यक्ष फुटुचंद सिंह, मोतीलाल सिंह, संतोष कुमार सहित कई गणमान्य लोग, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे। सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके हौसले को बढ़ाया।

शहादत की विरासत से समाज को एकजुट होने का आह्वान

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में युवा खरवार महासभा के तत्वावधान में वीर स्वतंत्रता सेनानी नीलांबर-पीतांबर की 168वीं शहादत दिवस श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकजुटता के संदेश के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के लोगों की बड़ी भागीदारी रही, जहां वीर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपक खरवार ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज कुमार यादव मौजूद रहे। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि नीलांबर-पीतांबर केवल इतिहास के नायक नहीं, बल्कि आज भी समाज को दिशा देने वाले प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित कर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और अन्याय के विरुद्ध लड़ने का साहस दिखाया। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष को याद करते हुए बताया कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दोनों भाइयों ने पलामू क्षेत्र में गुरिल्ला युद्ध का नेतृत्व किया और ब्रिटिश शासन को कड़ी चुनौती दी। उनकी बढ़ती ताकत से घबराकर अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर 28 मार्च 1859 को लेस्लीगंज में फांसी दे दी। उनकी शहादत को स्मरण करते हुए हर वर्ष इस दिन को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान समाज के युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने और शिक्षा, संगठन व जागरूकता के माध्यम से समाज के विकास में योगदान देने की अपील की गई। साथ ही सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर ललन खरवार, हीरालाल खरवार, जवाहिर खरवार, परमानंद, भरत, अवध खरवार, गुड्डू और हरिहर खरवार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

ओमान में कामगार की मौत : रोजगार की मजबूरी बनी त्रासदी, 14 दिन बाद गांव पहुंचा शव

■ विदेश में बेहतर भविष्य की तलाश में गया युवक नहीं लौटा जिंदा, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, सुरक्षा पर उठे सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के नंदन गांव में शनिवार का दिन मातम में बदल गया, जब ओमान में काम करने गए एक युवक का शव 14 दिनों बाद उसके पैतृक घर पहुंचा। बेहतर भविष्य और रोजगार की उम्मीद में विदेश गए सुमन कुमार पाल की मौत ने न सिर्फ एक परिवार को तोड़ दिया, बल्कि प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, सुमन कुमार पाल 21 मार्च को काम के दौरान अचानक पेट में तेज दर्द से परेशान हो गए थे। कंपनी के लोग उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों को सूचना तो मिल गई, लेकिन शव को गांव पहुंचने में दो सप्ताह लग गए। इस दौरान परिवार हर दिन उम्मीद और बेचैनी के बीच झूलता रहा।

शनिवार सुबह जैसे ही शव गांव पहुंचा, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। घर के बाहर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। पत्नी गुड़िया देवी पति के पार्थिव शरीर को देखते ही बेसुध हो गईं, वहीं 11 वर्षीय पुत्र गोपी कुमार और बेटियां परिधि व अंशिका के सिर से पिता का साया उठने का दर्द साफ झलक रहा था।

परिजनों ने बताया कि सुमन करीब चार साल पहले ओमान गए थे और इस दौरान एक बार भी घर नहीं लौट पाए। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां उठाने के लिए उन्होंने यह कठिन रास्ता चुना था, लेकिन उनकी यह कोशिश अधूरी ही रह गई।

ग्रामीणों के अनुसार, सुमन मिलनसार और मेहनती युवक थे, जो परिवार के बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनकी असमय मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने सरकार से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता देने की मांग की है। साथ ही, विदेशों में काम कर रहे भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और आपातकालीन व्यवस्था को लेकर ठोस कदम उठाने की जरूरत पर भी जोर दिया गया है।

औचक निरीक्षण में खुली गड़बड़ियां, बिना बुकिंग डिलीवरी और बढ़ते बैकलॉग पर नोटिस

बक्सर में गैस संकट की आहट : 26 हजार से ज्यादा बुकिंग लंबित, एजेंसियों पर प्रशासन हुआ सख्त

■ शिकायतों के निपटारे के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति को लेकर हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हैं। एक ओर जहां उपभोक्ताओं की मांग लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर सप्लाई उस रफ्तार से नहीं हो पा रही, जिससे वितरण व्यवस्था पर दबाव साफ नजर आ रहा है। प्रभारी जिलाधिकारी निहारिका छवि की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह तस्वीर खुलकर सामने आई।

आंकड़ों के मुताबिक जिले में प्रतिदिन औसतन 6419 गैस सिलेंडर की मांग है, जबकि आपूर्ति महज 5772 सिलेंडर प्रतिदिन ही हो पा रही है। यही कारण है कि 26,707 रिफिल बुकिंग अभी तक लंबित हैं और बैकलॉग करीब 4.6 दिन तक पहुंच गया है। यह स्थिति उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। हालांकि 13 मार्च से 3 अप्रैल के बीच 1,03,213 सिलेंडरों का वितरण किया गया है, लेकिन इसके बावजूद मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर खत्म नहीं हो पा रहा। वर्तमान में गैस एजेंसियों के पास मात्र 3717 सिलेंडर का स्टॉक बचा है, जो स्थिति की गंभीरता को दशार्ता है।

जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के तहत कुल 27 गैस एजेंसियां संचालित हैं। इसके बावजूद वितरण में गड़बड़ियां सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। एक और दो अप्रैल को 62 गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कई अनियमितताएं उजागर हुईं।

सबसे गंभीर मामला बिना बुकिंग गैस सिलेंडर की डिलीवरी और तय समय से अधिक देरी का सामने आया। इस पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सोनामति गैस एजेंसी और कुँवर ज्योति गैस एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन ने कालाबाजारी और जमाखोरी पर भी कड़ी नजर बना रखी है। ऐसे प्रतिष्ठानों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है, जो गैस सिलेंडरों की अवैध तरीके से बिक्री कर रहे हैं। अधिकारियों को लगातार फील्ड में उतरकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उपभोक्ताओं के लिए भी नियम तय किए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में अंतिम डिलीवरी के 25 दिन बाद और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद ही नया सिलेंडर बुक करने की अनुमति है, ताकि सभी को समान रूप से आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

शिकायतों के निपटारे के लिए जिला नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय कर दिया गया है। अब तक 709 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 613 का समाधान किया जा चुका है, जबकि बाकी पर कार्रवाई जारी है। उपभोक्ता 06183-223333 नंबर पर संपर्क कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। जिले में कुल 3,50,545 घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं, जबकि कमर्शियल कनेक्शन की संख्या भी अच्छी-खासी है। ऐसे में आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

प्रभारी जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि एलपीजी या अन्य आवश्यक वस्तुओं को लेकर किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की नजर बनी हुई है।

कुल मिलाकर, बक्सर में गैस आपूर्ति को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है, लेकिन बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति के बीच संतुलन बनाना अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

एक नजर

बक्सर का बेटा समुद्र में फंसा, परिवार की बढ़ी चिंता

बक्सर। बक्सर जिले के एक मर्चेंट नेवी कर्मी के समुद्र में फंसे होने की खबर से परिवार और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल गहरा गया है। नगर थाना क्षेत्र के सोहनी पट्टी कुम्हार टोली निवासी शनि कुमार पिछले एक महीने से अधिक समय से ईरान के समुद्री क्षेत्र में अपने जहाज पर फंसे हुए हैं।बताया जा रहा है कि क्षेत्र में जारी तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण समुद्री गतिविधियां प्रभावित हो गई हैं। इसी वजह से उनका जहाज न तो आगे बढ़ पा रहा है और न ही वापस लौटने का रास्ता मिल पा रहा है। परिजनों के अनुसार, शनि कुमार जून 2025 में दुबई के रास्ते अपनी ड्यूटी पर गए थे। वहां से उन्हें वाहनों को समुद्री मार्ग से ईरान पहुंचाने का कार्य सौंपा गया था। इसी दौरान अचानक हालात बिगड़ गए और उनका जहाज बीच समुद्र में ही रुक गया। परिवार की चिंता तब और बढ़ गई जब हाल ही में शनि कुमार से हुई बातचीत में उन्होंने जहाज पर खाने-पीने की कमी और बढ़ते तनाव की जानकारी दी। इसके बाद से घर में हर कोई उनकी सुरक्षित वापसी को लेकर परेशान है। घर पर उनके पिता शिवजी प्रसाद, पत्नी विनीता देवी और दो वर्षीय पुत्र सात्विक हर पल किसी अच्छी खबर का इंतजार कर रहे हैं। मां के पहले ही निधन हो जाने के कारण पूरे परिवार की जिम्मेदारी शनि कुमार पर ही है, जिससे स्थिति और भी भावनात्मक हो गई है। परिवार के सदस्य और पूर्व सैनिक चाचा शशि कुमार ने केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति का मामला नहीं है, बल्कि कई भारतीय नाविक इस तरह की परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने भी सरकार से अपील की है कि फंसे हुए सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएं, ताकि उनके परिवारों को राहत मिल सके।

तालाब में डूबने से युवक की मौत गांव में पसरा मातम

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के वैना गांव में शनिवार को तालाब में डूबने से एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान वैना निवासी रामायण चौधरी के पुत्र सुभाष प्रकाश के रूप में की गई है। इधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष प्रकाश शनिवार को गांव के ही तालाब में नहाने के लिए गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। हालांकि तालाब के बाहर ग्रामीणों मौजूद थे। काफी देर बाद युवक तालाब के बाहर नजर नहीं आया, तो वे शोर मचाते हुए तत्काल उसे बचाने के लिए तालाब में उतर गए। ग्रामीणों की मदद से काफी देर तक युवक को तालाब में खोजबीन करने के बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही सोनवर्षा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया।थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया मामला डूबने से मौत का प्रतीत होता है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस असामयिक मौत से स्तब्ध हैं। मृतक अविवाहित था।

एनएच-319 पर खड़े ट्रक में डंपर की टक्कर से लगी भीषण आग, चालक-खलासी बाल-बाल बचे

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा थाना क्षेत्र के एनएच-319 पर स्थित टीकपोखर गांव के पास शनिवार को एक खड़े ट्रक में पीछे से डंपर की जोरदार टक्कर हो गई, जिसके बाद डंपर के इंजन में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा डंपर उसकी चपेट में आ गया। हालांकि संयोग अच्छा रहा कि डंपर के चालक और खलाशी समय रहते वाहन से कूदकर भाग निकले, जिससे उनकी जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे खड़ा ट्रक का टायर पंचर होने के कारण रुका हुआ था। इसी दौरान पीछे से गिट्टी लदा एक अनियंत्रित डंपर आकर ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इंजन के पास शॉर्ट सर्किट हो गया और डंपर के इंजन से आग की लपटें उठने लगीं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। साथ ही ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना सोनवर्षा थाना को दी। सूचना मिलते ही थाना से छोटी अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंची, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण उसे काबू करना मुश्किल हो रहा था। इसके बाद जगदीशपुर, आरा और डुमरांव अग्निशमन केंद्र से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ीं। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में डंपर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इधर ग्रामीणों की मानें तो उन्हें डर था कि डंपर में लगी आग पर काबू पाने में विलंब हुई तो टायर से उठती आग की लपटे कहीं सडक किनारे लगी गेहूं की खेतों तक पहुंच ना जाए। ऐसा होता तो सैकड़ों एकड़ गेहूं की फसल भी आग की भेंट चढ़ जाती। इससे इंकार नहीं किया जा सकता था। पर समय रहते फायर ब्रिगेड कर्मियों एवं ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। डुमरांव की अग्निशमालय पदाधिकारी शिखा कुमारी ने बताया कि टिकपोखर के पास ट्रक में आग लगने की सूचना मिलते ही तुरंत अग्निशमन वाहन को मौके पर भेजा गया। उन्होंने कहा कि हर समय अग्निशमन वाहन को तैयार मोड में रखा जाता है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाया जा सके।

खिरौली में जश्न, संस्कृति और सुरों का संगम : जन्मोत्सव बना यादगार उत्सव

■ लोकगीतों की धुन पर झूम उठा गांव, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में देर रात तक चला कार्यक्रम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के खिरौली गांव में शुक्रवार की शाम उत्सव, संस्कृति और सामाजिक एकता का अनोखा संगम देखने को मिला। एक पारिवारिक अवसर ने पूरे गांव को उत्सवी रंग में रंग दिया, जब स्थानीय स्तर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने लोगों को एक साथ जोड़ दिया। रॉबिन चतुर्वेदी के पुत्र राघव के प्रथम जन्मोत्सव के मौके पर आयोजित इस भव्य आयोजन में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की भारी उपस्थिति ने माहौल को खास बना दिया। कार्यक्रम में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, जबकि डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी शामिल हुए। उनकी मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। आयोजन की जिम्मेदारी पूर्व पार्षद विनोद कुमार चौबे और उनके परिवार ने संभाली, जिन्होंने इसे यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सांस्कृतिक संध्या का आकर्षण लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां रहीं। भोजपुर क्षेत्र के चर्चित लोकगायकों ने मंच संभालते ही माहौल को जीवंत कर दिया। एक के बाद एक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पारंपरिक धुनों और देसी अंदाज में सजे गीतों ने गांव की मिट्टी की खुशबू को मंच तक पहुंचाया। दर्शकों की तालियों और उत्साह ने कलाकारों का हौसला बढ़ाया, जिससे कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम होते हैं और लोक संस्कृति को जीवित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। वहीं विधायक ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश में इस तरह के कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि जब परंपरा, उत्सव और सामूहिक भागीदारी एक साथ आते हैं, तो गांव की पहचान और भी मजबूत हो जाती है। खिरौली का यह सांस्कृतिक उत्सव न सिर्फ एक जन्मदिन समारोह रहा, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण बन गया, जिसे लोग लंबे समय तक याद रखेंगे।

आस्था से विकास तक : ब्रह्मपुर में बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ के दरबार पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष

■ पूजा-अर्चना के साथ क्षेत्रीय विकास पर चर्चा सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी दिखाई सक्रिय भागीदारी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बक्सर जिले के ब्रह्मपुर स्थित प्राचीन और आस्था के केंद्र बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में शनिवार का दिन खास बन गया, जब बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार यहां श्रद्धा के साथ पहुंचे। धार्मिक आस्था और प्रशासनिक सक्रियता का अनोखा संगम उस वक्त देखने को मिला, जब उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्य और देश की खुशहाली की कामना की।

मंदिर परिसर में उनके आगमन को लेकर सुबह से ही हलचल तेज थी। जैसे ही डॉ. प्रेम कुमार ने मंदिर में प्रवेश किया, वहां मौजूद श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल बन गया। उन्होंने पूरे विधि-विधान से भगवान बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ का अभिषेक और पूजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की कामना की।

पूजा के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद लोगों से संवाद करते हुए कहा कि बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ का यह धाम न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का भी अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बिहार की पहचान उसकी समृद्ध धार्मिक विरासत से है और सरकार ऐसे स्थलों के संरक्षण और विकास को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ. प्रेम कुमार का यह दौरा केवल धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों से बातचीत कर क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। लोगों ने सड़क, जलापूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं उनके सामने रखीं, जिस पर उन्होंने गंभीरता से विचार करने का भरोसा दिया।

इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष डुमरांव पहुंचे, जहां उन्होंने विधायक राहुल सिंह के साथ एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत बना दिया। डॉ. प्रेम कुमार ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और परंपराओं को जीवित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इस पूरे दौरे के दौरान प्रशासनिक अमला भी पूरी तरह सक्रिय नजर आया। अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। वहीं, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया।

धार्मिक आस्था, जनसंवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव–तीनों पहलुओं को समेटे यह दौरा एक संदेश छोड़ गया कि जनप्रतिनिधियों की भूमिका केवल नीति-निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर पहलू से जुड़ना भी उतना ही जरूरी है।

डुमरांव में एकलव्य आवासीय कबड्डी चयन ट्रायल संपन्न, 101 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वाधान में एकलव्य आवासीय कबड्डी खेल चयन ट्रायल का आयोजन डुमरांव स्थित प्लस टू सीपीएस विद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बक्सर के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस ट्रायल में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस चयन प्रक्रिया में कुल 101 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 78 बालक एवं 23 बालिका खिलाड़ी शामिल रहे। ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, ताकत, तकनीक और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। चयनकताओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन करते हुए योग्य प्रतिभाओं को चिन्हित किया। आयोजन को सफल बनाने में मो मुस्लिम, धर्मेंद्र आदित्य, कृष्ण बिहारी, राकेश कुमार (शिक्षक शिक्षा), महेश कुमार (बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना) तथा टी इस्राफील (कबड्डी कोच) की अहम भूमिका रही। सभी पदाधिकारियों एवं सहयोगियों के समन्वित प्रयास से पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। चयन ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए यह साबित किया कि अवसर मिलने पर वे किसी से कम नहीं हैं। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण का यह प्रयास राज्य के ग्रामीण एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है।

बिहार में 60 से अधिक स्थानों पर बनेंगे फुटओवर ब्रिज, सड़क पार करने की समस्या होगी खत्म

एजेंसी। पटना

नीतीश कुमार सरकार ने ह्रसात निश्चय-3 योजना के तहत शहरों में सड़क पार करने की समस्याओं को दूर करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। पथ निर्माण विभाग अब जेब्रा क्रॉसिंग को चौड़ा करेगा, इलेक्ट्रिक सिग्नल लगाएगा और राज्यभर में 60 से अधिक स्थानों पर फुटओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाकर नए फुटपाथ भी विकसित किए जाएंगे, जिससे लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद बनी सरकार में ह्रसात निश्चय-3ह्ल को कैबिनेट की मंजूरी दी गई थी। इस योजना के तहत आम लोगों के जीवन को आसान बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। बढ़ते ट्रैफिक और सड़क पार करने में हो रही परेशानियों को देखते हुए पथ निर्माण विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह जेब्रा क्रॉसिंग, फुटओवर ब्रिज और फुटपाथ निर्माण जैसे उपायों को लागू करे। पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सभी जिलों में फुटओवर ब्रिज और फुटपाथ निर्माण के लिए स्थान चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जिलों से रिपोर्ट मंगाई जा रही है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। नई योजना के तहत जेब्रा क्रॉसिंग को पहले से अधिक चौड़ा बनाया जाएगा, ताकि लोग सुरक्षित तरीके से सड़क पार कर सकें। साथ ही, इन स्थानों पर इलेक्ट्रिक सिग्नल लगाए जाएंगे, जिससे सड़क पार करते समय वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जा सकेगी। राज्यभर में 60 से अधिक जगहों पर फुटओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। पथ निर्माण विभाग विभिन्न डिवीजनों के माध्यम से ऐसे स्थानों की पहचान कर रहा है, जहां इन पुलों की सबसे अधिक जरूरत है। राजधानी पटना में भी करीब आधा दर्जन नए फुटओवर ब्रिज बनाए जाने की योजना है। इसके अलावा, पहले से बने फुटपाथों पर हुए अतिक्रमण को हटाकर उन्हें फिर से विकसित किया जाएगा। साथ ही नए स्थानों पर भी फुटपाथ निर्माण की योजना बनाई जा रही है, ताकि शहरों में पैदल चलने वालों को सुरक्षित और सुगम रास्ता मिल सके।

राजस्व सेवा संवर्ग का उपमुख्यमंत्री पर हमला नियम संशोधन और भूमि सर्वे पर उठाए सवाल

एजेंसी। पटना

बिहार राजस्व सेवा संवर्ग से संबद्ध बिरसा और बिरसा यूनाइटेड संयुक्त संघर्ष मोर्चा के द्वारा उपमुख्यमंत्री सह मंत्री राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मुंगेर में दिए गए आज के वक्तव्य पर आज की कार्य कारिणी में विचार-विमर्श किया गया और पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए कुछ बिंदुओं पर जवाब देने की आवश्यकता महसूस की। पहली बात यह है कि उपमुख्यमंत्री का आज का यह दावा तथ्य से परे है कि मुख्यमंत्री सचिवालय के दबाव में राजस्व सेवा संवर्ग नियमावली में अचानक संशोधन किया गया तथा विभाग या माननीय मंत्री के आप्त सचिव की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। याद दिलाना चाहेंगे कि आपने 5 फरवरी 2026 को हमारे संघ के पदाधिकारियों के साथ हुई वार्ता में अपने स्तर से हुई भूल को स्वीकार किया था कि राजस्व विभाग में प्रोन्नति के पद बढ़ाए जाने से संबंधित संचिका होने की जानकारी देकर भूमि सुधार उपसमाहर्ता का पद राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से हटाकर सामान्य प्रशासन विभाग में देने की संचिका पर धोखे से हस्ताक्षर करा लिया गया साथ ही यह भी कहा था कि इस गलती को 12 फरवरी 2026 तक सुधारकर लिखित रूप दे दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बिहार राजस्व सेवा संवर्ग माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के दिमाग की ही उपज है। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में हीं भूमि सुधारों एवं राजस्व प्रशासन के बेहतर संचालन के लिए बंदोपाध्याय कमेटी का गठन किया था और उसकी अनुशंसाओं के आलोक में 2010 में बिहार राजस्व सेवा संवर्ग का गठन किया गया था लेकिन साजिश के तहत बिहार राजस्व सेवा के सभी संवर्गीय, प्रोन्नत एवं अनुभवी अधिकारियों को साइड लाइन करके दूसरी सेवा के एकदम नए, अनुभवहीन और नौसिखुए को आगे कर दिया गया. बिहार सरकार के अन्य किसी भी विभाग में इस प्रकार की अराजकता, असंवेदनशीलता एवं षड्यंत्र का माहौल नहीं है। इस प्रकार आपके कार्यकाल में राजस्व विभाग ने कैडर निर्माण की माननीय मुख्यमंत्री की मूल भावनाओं को ही कूड़ेदान में डालने का काम किया है। आपके कार्यकाल में राजस्व विभाग में हमारे सेवा संवर्ग से औपचारिक संवाद बंद होने और दूसरे सेवा संवर्ग के हावी होने की वजह से इस प्रकार की गड़बड़ियां हो रही हैं जबकि अन्य सभी विभागों में संबंधित विभाग के मूल कैडर के अधिकारी ही उसकी जान होते हैं, उनकी आवाज सबसे मुखर और उनका योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है। मुंगेर में आयोजित आज के जन संवाद में माननीय उपमुख्यमंत्री महोदय ने बिहार में पूर्व में हुए नरसंहारों का जिक्र करते हुए भूमि विवादों को बिहार के लिए कलंक बताया और इसके लिए सर्वे महा अभियान शुरू करने की जरूरत बताई है। इस संबंध में संयुक्त मोर्चा आपको बताना चाहता है कि मुंगेर जिला में यह महा-अभियान वर्ष 2020 में शुरू हुआ था। सर्वेक्षण के टाइम टेबल के अनुसार जिले के 5 अंचलों के 306 राजस्व ग्रामों में यह कार्य 525 दिनों अर्थात वर्ष 2022 तक ही पूर्ण होना था लेकिन आज तक एक भी मौजा का न तो अंतिम प्रकाशन हुआ है न ही उनमें से आज तक एक मौजा में भी नए नक्शा एवं सर्वे खतियान के अनुसार कामकाज ही शुरू हो पाया है। अगस्त 2024 में शुरू हुए दूसरे चरण के 4 अंचलों के 470 मौजा में संशोधित समय सारणी के अनुसार 180 दिन स्वघोषणा के लिए एवं 90 दिन किस्तवार (बड़े मौजों के लिए अधिकतम) कुल 270 दिन में किस्तवार हो जाना चाहिए था परंतु लगभग 600 दिन व्यतीत हो जाने के बावजूद एक भी मौजा में किस्तवार कार्य नहीं हुआ है. इसे माननीय उपमुख्यमंत्री महोदय किस रूप में लेते हैं। कार्य में शिथिलता, प्रशासनिक अकर्मण्यता, अक्षम्य लापरवाही या संपूर्ण अराजकता ? क्या भूमि सर्वेक्षण को पूरी तरह विफल करने के जिम्मेदार अधिकारियों (जो बीआरएस के नहीं हैं) को चिन्हित करने एवं उनके ऊपर कानून सम्मत कार्रवाई करने की भी कोई कोशिश होगी ?महोदय, हमारा प्रदर्शन कमजोर नहीं है. अगर आप तुलना करें तो पाएंगे की भूमि सुधार उपसमाहर्ता के न्यायालय में म्यूटेशन अपील वाद, बीएलडीआर वादों की सुनवाई और निष्पादन का काम अंचल कार्यालय से कोसों दूर और काफी पीछे हैं। जिला भू-अर्जन समेत राजस्व के अन्य कार्यालयों की स्थिति भी अंचल कार्यालय से काफी खराब है। लेकिन अज्ञात कारणों से उन पर कभी चर्चा नहीं की जाती है। सिर्फ राजस्व सेवा के अधिकारियों पर ही कारवाई एवं धमकी की तलवार लटकाइ जाती है. उपमुख्यमंत्री महोदय द्वारा बार-बार परिमार्जन के 40 लाख आवेदनों के लंबित होने का प्रश्न उठाया जाता है लेकिन आज हम साफ तौर पर बताना चाहते हैं कि उसके लंबित रहने में हमारी कोई भूमिका नहीं है। राजस्व महाअभियान के दौरान इसके निष्पादन की तारीख 31 अक्टूबर तय की गई थी परंतु निर्वाचन 2025 निर्धारित होने के कारण राजस्व प्रशासन के सभी कर्मियों और पदाधिकारियों के चुनावी कार्यों में लगे होने की वजह से उस तारीख तक लक्ष्य पूरा करना संभव नहीं था।

वैशाली में जमीन मापी के दौरान बवाल, सीओ और पुलिस के सामने दो पक्षों में हिंसक झड़प, 15 लोग घायल

एजेंसी। पटना

सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद बिहार में जमीन विवाद का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला वैशाली जिले के रूस्तमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रूस्तमपुर में जमीन मापी के दौरान अंचलाधिकारी (सीओ) एवं पुलिस के सामने दो पक्षों के बीच ईट पत्थर लाठी डंडे चला जिसमें 2 महिला सहित 15 व्यक्ति घायल हो गये। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। इस दौरान सीओ और पुलिस पदाधिकारी और कर्मी जान बचाकर भागते दिखे। मारपीट की सूचना पर आसपास के लोग जुट गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से एक पक्ष की घायल करीब आधा दर्जन से अधिक व्यक्ति को आनन-फानन में इलाज के लिए पीएमसीएच पहुंचाया गया। जबकि दूसरे पक्ष के आठ व्यक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राघोपुर फतेहपुर इलाज के लिए गये। मिली जानकारी के अनुसार एक कट्ठा जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। स्थानीय धर्मदेव राय से उमेश शाह करीब ढाई कट्ठा एवं काशी राय करीब पांच कट्ठा जमीन केबाला लिया था। जिसमे दोनों पक्ष ग्रामीण सड़क से जमीन लेना चाहता है। इस मामले मे कई बार मापी हो चुकी है। शनिवार को भी सीओ और पुलिस की मौजूदगी में सरकारी अमीन से नापी हो रहा था। इसी दौरान दोनों पक्ष मापी को लेकर भीड़ गया और मारपीट हुई। मिली जानकारी के अनुसार रुस्तमपुर निवासी काशी राय एवं उमेश साह के बीच पूर्व से भूमि विवाद चल रहा है। पूर्व तीन बार जमीन की माफी हो चुकी है। भूमि विवाद को लेकर राघोपुर अंचल कार्यालय में जमीन मापी के लिए आवेदन दिया गया। आवेदन मिलने के बाद शनिवार को अंचलाधिकारी दीपक कुमार के मौजूदगी में जमीन मापी की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद धीरे-धीरे बढ़ गया और एक दूसरे पर ईट पत्थर चलाने लगा। इस दौरान अंचलाधिकारी एवं मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी जान बचा कर भागते दिख रहे हैं। मारपीट का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। प्रसारित वीडियो में दोनों पक्षों के तरफ से ईट पत्थर लाठी डंडे चलाई जा रही है। प्रसारित वीडियो में एक व्यक्ति बोल रहा है कि सीओ ही झगड़ा करवाया है। हालांकि सभी घटनाक्रम सीओ और पुलिसकर्मी के मौजूदगी में हो रही है।

झारखंड रवाना हुए तेजस्वी यादव, बिहार की कानून व्यवस्था पर साधा निशाना

एजेंसी। पटना

पटना से झारखंड रवाना होने से पहले नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विकास कार्य ठप हैं और सरकार बनने के बाद सत्ताधारी नेताओं में केवल पद की होड़ मची हुई है। उन्होंने कहा कि जनता ने किसी एक व्यक्ति के नाम पर नहीं, बल्कि मुद्दों के आधार पर वोट दिया है।नीतीश कुमार की सुरक्षा से जुड़े एक पत्र में गृह विभाग द्वारा इस्तीफे का जिक्र किए जाने पर तेजस्वी यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या देश में कहीं ऐसा पहले हुआ है? उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि अधिकारियों को पहले से ही अंदाजा था कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार सत्ता में नहीं लौटेंगे। तेजस्वी यादव ने केरल की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि वहां एलडीएफ सरकार दोबारा सत्ता में आएगी, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उसने अच्छा काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी दल का काम केवल विपक्ष को गाली देना रह गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या लोगों को रोजगार मिला? क्या महिलाओं को 2 लाख रुपये की सहायता मिली? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।

बिहार में प्राइवेट स्कूल खोलना होगा आसान! नीतीश सरकार की नई नीति से कई लोगों को बड़ी राहत

एजेंसी। पटना

बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार अब निजी निवेशकों और स्कूल संचालकों के लिए नियमों को सरल बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार इज ऑफ डूइंग बिजनेस को शिक्षा क्षेत्र में भी लागू करने की तैयारी में है, जिससे प्राइवेट स्कूल खोलने की प्रक्रिया पहले से कहीं ज्यादा आसान हो सकती है। उसरकार का मानना है कि अगर निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया जाए, तो राज्य में शिक्षा के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराए जा सकते हैं। इसी सोच के तहत निजी स्कूलों से जुड़ी मौजूदा नियमावली में संशोधन की तैयारी शुरू हो गई है। इस पहल को लागू करने के लिए उद्योग विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है, जबकि शिक्षा विभाग भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहा है। माध्यमिक शिक्षा के विशेष निदेशक को इस पूरी प्रक्रिया का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उफिलहाल बिहार में किसी भी निजी स्कूल को Central Board of Secondary Education (CBSE)(CBSE) या Council for the Indian School Certificate Examinations (ICSE) से मान्यता प्राप्त करने के लिए शिक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (ठडउ) लेना जरूरी होता है। लेकिन यह प्रक्रिया काफी जटिल और समय लेने वाली मानी जाती है। सबसे बड़ी चुनौती जमीन से जुड़ी शर्तें हैं, जो छोटे निवेशकों के लिए बड़ी बाधा बनती हैं। मौजूदा नियमों के अनुसार, उइरए से संबद्ध स्कूल खोलने के लिए कम से कम एक एकड़ भूमि अनिवार्य है, जबकि कउरए स्कूल के लिए 50 डिसमिल जमीन होना जरूरी होता है। इसके अलावा, हर तीन साल पर NOC का नवीनीकरण कराना भी जरूरी है, जिससे स्कूल संचालकों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यही वजह है कि कई इच्छुक निवेशक इस क्षेत्र में कदम रखने से हिचकिचाते हैं। अब सरकार इन शर्तों में ढील देने की योजना बना रही है। प्रस्तावित बदलावों के तहत जमीन की अनिवार्यता को कम किया जा सकता है या उसे लचीला बनाया जा सकता है। इसके साथ ही NOC रिन्यूअल की प्रक्रिया को भी सरल करने या उसकी समय-सीमा बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। अगर ये बदलाव लागू होते हैं, तो इससे निजी स्कूल खोलना काफी आसान हो जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि इन सुधारों से राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ेगी।

एक नजर

महनार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1500 लीटर देसी शराब नष्ट, अवैध भट्ठियां भी ध्वस्त

वैशाली। खबर वैशाली जिले के महनार से है, जहां शराब माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब कारोबार पर बड़ा प्रहार किया है। वैशाली एसपी विक्रम सिहाग के आदेश पर पुलिस ने दियारा इलाके में छापेमारी कर भारी मात्रा में देसी शराब और शराब बनाने की भट्ठियों को नष्ट कर दिया। बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में महनार थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दियारा क्षेत्र में शराब माफिया अवैध रूप से बड़े पैमाने पर देसी शराब का निर्माण कर रहे हैं।सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया और दियारा इलाके में छापेमारी की गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां चल रही शराब भट्ठियों को देखकर पुलिस टीम भी हैरान रह गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया और मौके पर मौजूद करीब 1500 लीटर देसी शराब को नष्ट कर दिया। साथ ही शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों को भी पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। बताया जा रहा है कि पुलिस की गाड़ी को दूर से आते देख शराब माफिया मौके से फरार हो गए। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है। महनार थाना अध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दियारा इलाके में छापेमारी की गई। अवैध शराब निर्माण की पुष्टि होने पर शराब भट्ठियों को नष्ट किया गया और भारी मात्रा में देसी शराब भी नष्ट की गई है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

बिहार में भीषण सड़क हादसा : शिक्षिका समेत पांच लोग बुरी तरह से घायल, हादसे के बाद ड्राइवर फरार

छपरा। बिहार के छपरा के तरैया पानापुर मुख्य मार्ग पर शनिवार की सुबह फकुली गांव के पास दो चारपहिया वाहनों की आमने-सामने टक्कर में कार पर सवार शिक्षिका और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, पानापुर प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरहा में प्राचार्या पद पर कार्यरत गीतांजलि कुमारी अपनी नियमित सैन्ट्रो कार से छपरा से विद्यालय जा रही थीं। उनके वाहन में इसी विद्यालय की शिक्षिका उर्मिला कुमारी, नगरा निवासी शिक्षक चंदन कुमार और दिघवा दुबौली के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका रिंकी कुमारी भी सवार थीं। जैसे ही वे फकुली गांव पहुँचे, पानापुर से तरैया की ओर जा रही एक क्रेटा कार उनकी गाड़ी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सैन्ट्रो कार के परखच्चे उड़ गए और चालक सद्दाम हुसैन सहित सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, क्रेटा कार का चालक घटना के बाद अपनी गाड़ी घुमाकर फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने घायलों को तरैया रेफरल अस्पताल पहुँचाया। शिक्षक चंदन कुमार का पैर टूट गया है, जबकि गीतांजलि कुमारी, रिंकी कुमारी और चालक सद्दाम हुसैन की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने चारों को छपरा रेफरल अस्पताल में रेफर कर दिया। स्थानीय पुलिस ने भी घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुँचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेड लाइट एरिया पर ताबड़तोड़ पुलिस रेड! चार लड़कियों के साथ 7 गिरफ्तार, बड़े नेटवर्क का खुलासा

सासाराम। सासाराम के अमरी टोला स्थित रेड लाइट एरिया में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की है। इस दौरान 7 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। देह व्यापार के नेटवर्क की जांच जारी है, इलाके में हड़कंप मच गया। सासाराम से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अमरी टोला स्थित कथित रेड लाइट एरिया में पुलिस ने छापेमारी कर सात लोगों को हिरासत में लिया है। जिसमें से चार लड़की है। इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। हिरासत में लिए गए लोगों में चार महिलाएं भी शामिल हैं, जबकि अन्य तीन पुरुष बताए जा रहे हैं। सभी से फिलहाल गहन पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को लगातार गुप्त सूचना मिल रही थी कि अमरी टोला इलाके में लंबे समय से देह व्यापार का अवैध धंधा संचालित किया जा रहा है। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए सासाराम के एसडीपीओ-2 कुमार वैभव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने जैसे ही मौके पर दबिश दी, वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सात लोगों को पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार, हिरासत में ली गई चारों महिलाओं में कुछ अन्य जिलों और राज्यों की भी बताई जा रही हैं। इससे इस पूरे मामले में एक बड़े नेटवर्क के जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों और इसके संचालन के तरीके का पता लगाया जा सके। एसडीपीओ-2 कुमार वैभव ने बताया कि उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि अमरी टोला क्षेत्र में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसी आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही फरार हुए लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही थीं, लेकिन अब जाकर पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों को राहत की उम्मीद जगी है। छापेमारी के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

दिनदहाड़े गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला भोजपुर, युवक की हत्या से मचा हड़कंप

एजेंसी। आरा

भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र अंतर्गत बनकट गांव में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब अपराधियों ने दिनदहाड़े सरेआम गोलीबारी कर एक युवक की हत्या कर दी। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल व्याप्त हो गया है। मृतक की पहचान रमेश सिंह के पुत्र रितेश सिंह उर्फ भुंवर के रूप में हुई है, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना अचानक हुई और अपराधियों ने बेहद करीब से रितेश सिंह को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोली चला दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने आनन-फानन में उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी हालत नाजुक हो चुकी थी और कुछ ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।वारदात की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए और माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के घर पर लोगों की भारी भीड़ जमा है और हर कोई इस घटना से स्तब्ध नजर आ रहा है। सूचना मिलते ही गड़हनी थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है ताकि घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा सकें। पुलिस के प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी रंजिश से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अन्य सभी पहलुओं पर भी गंभीरता से जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी भी संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता और हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस लगातार गश्त कर रही है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

बिहार में परिवहन विभाग की बड़ी उपलब्धि, 4191 करोड़ से ज्यादा राजस्व वसूल कर बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी। पटना

बिहार राज्य परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल की है। निर्धारित लक्ष्य 4070 करोड़ रुपये से काफी आगे निकलते हुए विभाग ने 4191.55 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। इस प्रकार लक्ष्य से 103 प्रतिशत राजस्व जुटाकर विभाग ने एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। विशेष रूप से विगत चार महीनों में राजस्व वसूली में लगातार सर्वाधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस उछाल के पीछे परिवहन मंत्री श्रवण कुमार की सक्रिय और दूरदर्शी भूमिका रही है। मंत्री श्रवण कुमार ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए थे कि डीटीओ स्तर पर राजस्व वसूली में कड़ाई बरती जाए। उन्होंने विगत दिनों में काम में लापरवाही बरतने वाले कुल 40 अधिकारियों के खिलाफ शो कॉज नोटिस जारी किया था। इनमें डीटीओ, एडीटीओ, एमवीआई और ईएसआई स्तर के अधिकारी शामिल थे। साथ ही, बकाया राशि वसूलने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वयं चेक-पोस्टों का निरीक्षण किया और वहां राजस्व संग्रह की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मंत्री श्रवण कुमार ने फैंसी नंबर प्लेट, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य परिवहन सेवाओं पर भी ध्यान देने पर जोर दिया, जिससे आम नागरिकों को सुविधा मिली और राजस्व में वृद्धि हुई। मंत्री श्रवण कुमार ने ट्रैफिक उल्लंघनों पर सक्रियता से चालान अभियान चलाया गया, जो सीधे राजस्व में योगदान दे रही है। इसके साथ ही डीटीओ कार्यालयों में वाहन निबंधन की लंबित प्रक्रियाओं को काफी हद तक कम किया गया। इसके फलस्वरूप वाहन निबंधन और अन्य सुविधाओं का लाभ लेने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि वित्तीय वर्ष की जिलेवार रिपोर्ट आने के पश्चात बेहतर काम करने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित व प्रोत्साहित किया जाएगा।

दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड का सीएम नीतीश कुमार ने किया निरीक्षण, समय पर काम पूरा करने का निर्देश

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में निमार्णाधीन दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड का निरीक्षण कर अधिकारियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विकास योजनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। इस क्रम में वो आज शनिवार को पटना के दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड का निरीक्षण करने पहुंच गये। इस दौरान कन्हौली के पास निर्माण स्थल पर पहुंचकर उन्होंने कार्य की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने का निर्देश दिया। वही निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर ध्यान देने की भी बात कही। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निरीक्षण के दौरान मौके पर मंत्री विजय चौधरी, पटना के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम, दीपक कुमार, कुमार रवि, चंद्रशेखर सिंह, सीगल कंपनी के अधिकारी भी मौजूद थे। कंपनी के अधिकारियों ने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। अधिकारियों की बातें सुनने के बाद सीएम नीतीश ने कार्य में तेजी लाने और निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ख्याल रखने का निर्देश दिया। सीएम नीतीश ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से लाखों लोगों को लाभ होने वाला है। लोगों को अब भीषण जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी और पटना से बिहटा आने समय की बचत होगी।बता दें कि एनएच-922 पर बन रहा निमार्णाधीन दानापुर-बिहटा एलिवेटेड कॉरिडोर करीब 25 किमी लंबा एक महत्वपूर्ण 4-लेन प्रोजेक्ट है, जो पटना को बिहटा हवाई अड्डे से जोड़ेगा। इसकी लागत 1969 करोड़ रुपये से अधिक है। सितंबर 2026 तक इसके बनने की संभावना जतायी जा रही है। यह 14.5 किमी का लंबा फ्लाइओवर है, जो पूर्वी भारत का सबसे लंबा एलिवेटेड रोड माना जा रहा है, इसके बन जाने से इलाके में विकास की गति तेज होगी और यहां लगने वाली भीषण जाम से लोगों को राहत मिलेगी। दानापुर रेलवे स्टेशन और शिवाला चौक से होकर यह कॉरिडोर सीधे बिहटा हवाई अड्डे तक जाएगा, जिससे कोईलवर तक की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। बिहटा एयरफोर्स स्टेशन के पास सिविल एन्क्लेव में वाहनों के प्रवेश के लिए 600 मीटर लंबी सुरंग भी बनेगा। इस प्रोजेक्ट के बन जाने से पटना क्क्ळ, पटना ठक्ळ और निमार्णाधीन बिहटा हवाई अड्डा आना आसान हो जाएगा साथ ही पटना और उसके पश्चिमी हिस्सों के बीच की दूरी कम हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत दानापुर, शिवाला मोड़, बिहटा हवाई अड्डा लिंक और बिहटा-सरमेरा बाईपास पर रैंप बनाए जाएंगे। इस एलिवेटेड रोड के पूरा होने के बाद दिल्ली से पटना की कनेक्टिविटी भी सुगम हो जाएगी।

हवाई कनेक्टिविटी और बेहतर होगी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण पूर्ण होने से बिहार में हवाई कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। साथ ही यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधायें मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से बिहटा एयरपोर्ट तक कम से कम समय में पहुँचने के लिये दानापुर-बिहटा ऐलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा पटना एयरपोर्ट पर पड़नेवाला भार भी कम होगा। उन्होंने कहा कि विकास के साथ-साथ रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मोतिहारी में जहरीली शराब का कहर जारी, सातवीं मौत के बाद अब एक और युवक ने तोड़ा दम

एजेंसी। मोतिहारी

मोतिहारी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में जहरीली शराब के सेवन से मौतों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। पिछले 48 घंटों में 8 लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मोतिहारी में जहरीली शराब के सेवन से मौत का सिलसिला अब भी जारी है। कल रात तक इस जहरीली शराब के कारण पांच लोगों की मौत हो चुकी थी, वहीं आज सुबह से अब तक दो और लोगों की मौत की खबर आई है। अब तक कुल मौतों की संख्या सात हो चुकी है, लेकिन शाम होते-होते एक मौत और गई। इस तरह कुल मौतों का आंकड़ा आठ हो गया है। कल चंपारण रेंज के डीआईजी ने बताया था कि इस घटना में 17 लोग घायल हैं। हालांकि, स्थानीय सूत्रों के अनुसार घायल लोगों की संख्या इससे भी अधिक हो सकती है।यह पूरी घटना पूर्वी चंपारण की है। पिछले 48 घंटों से जहरीली शराब से मौत का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। कल रात तक पांच लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। वहीं आज सुबह सबसे पहले रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के हरदिया निवासी लालकिशोर राय की मौत हुई। उसके कुछ समय बाद ही बालगंगा के मुसहरी टोला निवासी लड्डू साह की भी मौत की खबर आई। बताया जाता है कि लड्डू साह अपने परिवार का भरण-पोषण टेम्पो चलाकर करते थे। उनकी मौत के बाद उनकी पांच बेटियां अनाथ हो गई हैं। लड्डू का इलाज एक स्थानीय निजी नर्सिंग होम में चल रहा था। पूरे मामले में अब तक रघुनाथपुर थाना और तुरकौलिया थाना में हत्या को लेकर अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। पुलिस ने इस जहरीली शराब के मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। कल चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय ने मोतिहारी डीएम और एसपी के साथ तुरकौलिया थाना में बैठक कर पूरे मामले की समीक्षा की। उन्होंने पांच मौतों की पुष्टि करते हुए पूरे जिले में सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। इस अभियान के तहत अब तक 39 शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ाया जाएगा सुरक्षा का पाठ, बच्चों को दी जाएगी स्पेशल ट्रेनिंग

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने 80 हजार सरकारी स्कूलों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम लागू किया। बच्चों को आग, लू, भूकंप, सड़क दुर्घटना जैसी आपदाओं से निपटने के लिए मॉक ड्रिल सहित प्रशिक्षण दिया जाएगा। बिहार सरकार ने राज्य के 80 हजार सरकारी विद्यालयों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम लागू करने का फैसला किया है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आग, लू, भूकंप, बाढ़ और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना है। प्रत्येक विद्यालय में आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा और बच्चों के बीच बाल प्रेरकों का चयन किया जाएगा। चयनित बाल प्रेरकों को उनके कर्तव्यों और आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें अगलगी, सड़क दुर्घटना, भगदड़, सर्पदंश, पेयजल, स्वच्छता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और पोषण शामिल हैं। छात्र-छात्राओं को आग और लू से बचाव का पाठ पढ़ाया जाएगा और हर शनिवार मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। मॉक ड्रिल में बच्चों को रुकना, लेटना और लुढ़कना जैसे अभ्यास करवाए जाएंगे। इसके अलावा उन्हें आग लगने के कारणों, बचाव के उपाय, सावधानियों और खतरनाक आदतों से बचाव के बारे में जानकारी दी जाएगी। उदाहरण के लिए, दीपक, दीया, लालटेन या मोमबत्ती को ऐसी जगह न रखना जहां गिर कर आग लगने की संभावना हो, तेज हवा में खाना न बनाना, अधजली बीड़ी या सिगरेट न फेंकना, और ट्रेनों या बसों में ज्वलनशील पदार्थ न ले जाना। विद्यालयों में आपदा प्रबंधन समिति में बाल प्रेरकों के अलावा शिक्षक, अभिभावक और विद्यालय शिक्षा समिति के तीन सदस्य भी शामिल होंगे। समिति का आकार अधिकतम 12-13 सदस्य होगा। इस कार्यक्रम के तहत बच्चों को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद और राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से तैयार की गई पाठ्य सामग्री के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एक नजर

नालंदा के शीतला माता मंदिर में गरजा बुलडोजर, भगदड़ में आठ महिलाओं की हुई थी मौत

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के मघड़ा स्थित प्रसिद्ध शीतला माता मंदिर में भगदड़ हादसे के बाद प्रशासन एक्शन में आ गया है। 31 मार्च को हुई भगदड़ में 8 महिलाओं की मौत के बाद अब मंदिर परिसर का नक्शा बदलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। शनिवार को बिहारशरीफ नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने मंदिर परिसर में बड़े स्तर पर बदलाव की शुरूआत की। हादसे के पीछे मुख्य वजह भीड़ का अत्यधिक दबाव और संकरे रास्ते माने गए। इसे देखते हुए नगर निगम ने बुलडोजर चलाकर मंदिर के मुख्य मार्गों और आसपास के अवैध अतिक्रमण को हटाया। उप नगर आयुक्त शम्स रजा ने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान को और तेज किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और चौड़ा रास्ता तैयार हो सके। साथ ही, मंदिर तक जाने वाली सड़कों को चौड़ा करने की भी योजना बनाई जा रही है। जहां भगदड़ हुई थी, उस स्थान की संरचना पर भी सवाल उठे थे। प्रशासन ने खतरनाक और संकरी सीढ़ियों को तोड़कर वहां समतल ह्यस्लोपह्न बनाने का काम शुरू कर दिया है, जिससे भीड़ का दबाव कम हो और लोगों के गिरने या दबने का खतरा घटे। इसके अलावा, भीड़ नियंत्रण के लिए कच्चे बांस-बल्लों की जगह मजबूत स्टील बैरिकेडिंग लगाई जा रही है। मंदिर परिसर में स्वच्छता व्यवस्था सुधारने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जमा गंदे पानी को हटाकर साफ-सफाई की जा रही है और तालाब सहित जलभराव वाले क्षेत्रों को व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

पटना में फर्जी लॉयर गिरोह का पदार्फाश 39 नकली मोहर के साथ 3 गिरफ्तार

पटना। पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां खुद को वकील बताने वाला एक व्यक्ति फजीर्वाड़े के जरिए लोगों को ठग रहा था। दिनांक 3 को एक पीड़ित ने थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई कि अथर्व लीगल सर्विसेज से जुड़े एक व्यक्ति ने कागजात में त्रुटि सुधारने के नाम पर पैसे की मांग की। जब पीड़ित ने अपने दस्तावेज वापस मांगे, तो उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच टीम को मौके पर भेजा। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी खुद को वकील बताकर अवैध गतिविधियों में लिप्त था। उसके पास से अलग-अलग सरकारी अधिकारियों के नाम पर बनी 39 नकली मोहर बरामद की गईं, जिनका इस्तेमाल फर्जी दस्तावेज तैयार करने में किया जा रहा था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी को उसके दो अन्य साथियों के साथ मौके से गिरफ्तार कर लिया। मामले में एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस पूरे मामले पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सचिवालय-02) पटना, श्री साकेत कुमार ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से लोगों को झांसा देकर ठगी कर रहा था, जिसे अब बेनकाब कर दिया गया है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी कानूनी सेवा लेने से पहले संबंधित व्यक्ति या संस्था की सत्यता की जांच अवश्य करें, ताकि इस तरह की ठगी से बचा जा सके।

रुपए के लेन-देन के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या, चचेरे भाई पर हत्या का आरोप

खगड़िया। खगड़िया से इस वक्त की बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है, जहां एक मामूली से दिखने वाले रुपए के लेन-देन के विवाद ने एक परिवार को मातम में बदल दिया। परबत्ता थाना क्षेत्र के छोटी लगार गांव में शुक्रवार देर रात 25 वर्षीय युवक ब्रजेश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, ब्रजेश कुमार रात के समय अपने घर से कुछ दूरी पर खड़ा होकर मोबाइल पर किसी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान अचानक कुछ बदमाश वहां पहुंचे और उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने ब्रजेश को दो से तीन गोलियां मारीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे और युवक को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा भी किया। मृतक के परिवार ने इस हत्या के पीछे गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि ब्रजेश की हत्या के पीछे उसके ही चचेरे भाई का हाथ है। परिवार का आरोप है कि जमीन और संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और आरोपी पक्ष ब्रजेश की संपत्ति पर कब्जा करना चाहता था। इसी रंजिश के चलते इस हत्या की साजिश रची गई और उसे अंजाम दिया गया। हालांकि पुलिस की शुरूआती जांच में कुछ अलग ही पहलू सामने आ रहा है। परबत्ता थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला रुपए के लेन-देन से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रजेश को दो गोलियां मारी गई हैं और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल से जांच की जा रही है, चाहे वह पारिवारिक विवाद हो, संपत्ति का झगड़ा हो या फिर पैसों का लेन-देन। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि मृतक के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी गहराई से जांच की जाएगी। फिलहाल घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी गई है।

बिहार में मौसम का बदला मिजाज : 7 से 9 अप्रैल तक तेज हवा, बारिश और वज्रपात की चेतावनी

कई जिलों में येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी। पटना

बिहार में एक बार फिर मौसम का मिजाज बिगड़ने वाला है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए अगले कुछ दिनों तक येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना बनी हुई है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर न जाने की सलाह दी है। खासकर किसानों और खेतों में काम करने वाले लोगों को मौसम को देखते हुए सावधानी बरतने को कहा गया है। 7 अप्रैल को बिहार के उत्तर और दक्षिण दोनों हिस्सों में मौसम खराब रहने की संभावना है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तर बिहार के कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा और समस्तीपुर शामिल हैं। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवा और वज्रपात की संभावना जताई गई है।वहीं दक्षिण और पूर्व बिहार के कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इनमें पटना, नालंदा, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, गया, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, सुपौल, सहरसा और मधेपुरा शामिल हैं। इन इलाकों में मौसम ज्यादा गंभीर रहने की संभावना है और तेज हवा, गरज-चमक के साथ भारी बारिश तथा ओलावृष्टि भी हो सकती है। 8 अप्रैल को भी मौसम में ज्यादा सुधार की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने बताया है कि इस दिन भी उत्तर बिहार के अधिकतर जिलों में येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। वहीं दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी रहेगा। इन जिलों में पटना, नालंदा, गया, औरंगाबाद, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, बेगूसराय, बक्सर, भोजपुर, रोहतास और कैमूर शामिल हैं।

अगले दिनों पर नजर

मौसम विभाग का कहना है कि 9 अप्रैल तक बिहार के कुछ हिस्सों में अस्थिर मौसम की स्थिति बनी रह सकती है। इसके बाद ही मौसम में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। फिलहाल राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल, बारिश और वज्रपात का खतरा बना हुआ है। कुल मिलाकर, बिहार के लोगों को आने वाले दिनों में मौसम को लेकर पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि यह सिस्टम अचानक तेज बारिश और बिजली गिरने जैसी स्थिति पैदा कर सकता है।

गांधी आश्रम पहुंचे उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन बापू को दी श्रद्धांजलि,ऐतिहासिक विरासत को सराहा

एजेंसी। पटना

पश्चिम चंपारण जिले के भितिहरवा गांधी आश्रम में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन पहुंचे। यह वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी थी।अपने आगमन पर उपराष्ट्रपति ने सबसे पहले गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने आश्रम परिसर स्थित मुख्य कुटिया का अवलोकन किया, जहां ऐतिहासिक वस्तुएं और दुर्लभ छायाचित्र प्रदर्शित हैं। इन माध्यमों से चंपारण सत्याग्रह की गाथा और गांधीजी के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है।भ्रमण के दौरान उपराष्ट्रपति ने संग्रहालय कक्ष 1 एवं 2 में प्रदर्शित छायाचित्रों और दस्तावेजों का गहन अवलोकन किया और उनमें विशेष रुचि दिखाई। इसके पश्चात वे प्रार्थना कक्ष पहुंचे, जहां उन्होंने गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। साथ ही उन्होंने कस्तूरबा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया।आगे बढ़ते हुए उन्होंने संग्रहालय कक्ष 3 एवं 4 का भी निरीक्षण किया और पूरे आश्रम परिसर का भ्रमण करते हुए इसके ऐतिहासिक महत्व तथा संरक्षण कार्यों की सराहना की। दौरे के अंत में उपराष्ट्रपति ने विजिटर बुक में अपने विचार दर्ज किए और इस स्थल के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर सैयद अता हसनैन (बिहार के राज्यपाल) तथा हरिवंश (राज्यसभा के उपसभापति) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी तरन जोत सिंह ने